चुदक्कड़ टीचर ने पढ़ाए चुदाई के पाठ-2

“मेरी टीचर ने मुझे अपने घर बुलाया और अपने रूप यौवन से मुझे लुभाने लगी, कामुक बातें करने लगी. उसके बाद मैडम ने मेरे साथ क्या किया ? पढ़े इस अति कामुक कथा में और मजा लें ! ...”

Story By: RAJ KUMAR (CHUTNIWAS)
Posted: Tuesday, April 2nd, 2019
Categories: गुरु घण्टाल
Online version: चुदक्कड़ टीचर ने पढ़ाए चुदाई के पाठ-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चुदक्कड़ टीचर ने पढ़ाए चुदाई के पाठ-2

मैंने पूछा- मैडम जी अब चलूँ ?
मैडम ने एक उंगली उठाकर रुकने का इशारा किया और मेरे बहुत करीब आकर यकायक मुझसे लिपट गयीं. मेरे सर के पीछे हाथ लगाकर मेरा मुंह झुकाकर अपने मुंह के पास ले आईं. मैडम की गर्म गर्म मादक साँस मेरे मुंह पर लगने लगी.
मैं सटपटा गया और घबराहट के मारे मेरी टाँगें लड़खड़ाने लगीं.

“राजे, जिस लड़की की फोटो देख कर तुम्हारी मर्दानगी ज़ोर मार रही थी, ध्यान से मुझे देख कर बोलो, मैं क्या उससे कम हूँ ? देखो मेरी ओर ध्यान से.”

मैडम इतने कस के लिपटी हुई थी कि उनके मम्मे मेरी छाती में और मेरा फनफनाता हुआ लौड़ा उनके पेट में चुभ रहा था.

मैंने दो तीन गहरी सांसें लेकर स्वयं को संतुलित किया और गौर से मैडम को देखा. अति सुन्दर चेहरा, मलाई जैसी गोरा रंग, बड़ी बड़ी आँखें और मादक हल्के से थरथराते हुए गुलाबी होंठ. वाकई में बाली मैडम उस मैगज़ीन वाली रंडी से कहीं अधिक हसीन थीं.
“मैडम जी, आप बहुत बहुत सुन्दर हैं … वो फोटो वाली हीरोइन आपके सामने क्या है … कुछ भी नहीं.” मैंने धीमी सी आवाज़ में उत्तर दिया.
“राजे, तुम मुझे किस करोगे … कभी किया किसी लड़की को किस ?”
“नहीं मैडम कभी किसी को किस नहीं किया.”

हालाँकि मैं जिन लौंडों की गांड मारा करता था उनको कई बार किस कर चुका था परन्तु

किसी लड़की का किस कभी नहीं लिया था. मैडम जैसी अति सुन्दर स्त्री को किस करने के नाम से ही दिल की धड़कनें तेज़ हो गयीं. माथे पर पसीना आने लगा.

मैंने हामी में सर हिलाया.
मैडम ने तुरंत मेरे सर को जकड़ के अपने मुंह से मुंह लगा दिया. न जाने कैसे खुद बा खुद ही मेरा मुंह थोड़ा सा खुल गया और पलक झपकते ही मैडम की जीभ मेरे मुंह में चली गयी.

उसके बाद मैडम की जीभ का कमाल का अत्यंत सुखद अनुभव मिला जिसकी कल्पना भी नहीं कर सकता था. उनकी जीभ कभी मेरी जीभ से लिपट जाती तो कभी मेरे मुंह में पूरा चक्कर लगाती. कई बार तो मैडम ने जीभ पूरी मुंह के भीतर देकर लपलप की और कई बार मेरे होंठों के अंदरूनी भाग पर जीभ घुमाई. मेरे तन बदन में बिजलियाँ दौड़ने लगीं. शरीर थरथराने लगा. उत्तेजना आकाश से भी ऊँची उड़ने लगी थी.

यह सब करते करते मैडम धीरे धीरे सरक सरक कर कुछ ही दूर रखे दीवान तक जा पहुंची थीं. उन्होंने मेरे कन्धों पर हाथ रख के दबाया तो मैं उनको लिपटाए लिपटाए दीवान पर आ गया. अब मैडम का मुंह मेरे मुंह के ऊपर था और उनके मुंह में तेज़ी से निकलती हुई लार मेरे मुंह में आने लगी. उनके मुखरस के आनंद से मैं मस्त हो गया. उम्म्ह… अहह… हय… याह… लौड़ा बेकाबू होकर और भी ज़ोर से कूद फांद करने लगा. जीभ का करिश्मा तो था ही, मैडम के हाथ भी मेरे बदन पर फिर रहे थे.
उन मुलायम, रेशमी हाथों का स्पर्श !! हे भगवान … मैं नहीं जानता था कि किसी लड़की की जीभ से हवस की पराकाष्ठा हो सकती है या लड़की हाथ मेरे बदन पर ऐसा जादू कर सकते हैं.

काफी देर ये गहन चुम्बन लेने के उपरान्त मैडम ने जीभ बाहर निकाल ली और फुसफुसाकर बोलीं- राजे तेरी मर्दानगी बहुत ज़ोर मार रही है … जवानी का भरपूर जोश है

ना … देखूं तेरे लंड कैसा है.
उनके मुंह से लंड शब्द सुन कर मैं अचम्भे से सन्न हो गया. यह शब्द तो लड़के लोग आपस में बात करते हुए इस्तेमाल करते हैं. क्या लड़कियां भी यही भाषा बोलती हैं ? क्या मालूम, मैंने तो कभी किसी लड़की के मुंह से ऐसा शब्द नहीं सुना था.

इससे पहले मैं कुछ सोच समझ पाता, मैडम ने मेरी पैन्ट की ज़िप नीचे कर दी और लौड़ा मेरे अंडरवियर से बाहर. जब तक मैंने यह महसूस किया कि लंड मेरे कच्छे से बाहर आ चुका है, मैडम ने अपने गाउन खोल कर धरती पर गिरा दिया था. अब वो एक मिनी नाईटी में थीं जो उनके घुटनों के तीन चार इंच ऊपर तक ही थी और लगभग पूर्णतया पारदर्शी थी. उसका बदन हाड़ मांस का बना हुआ नहीं बल्कि केसर रूह अफ़ज़ा से मिक्स की हुई मलाई का बना लगता था.

इससे पहले कि मैं मर्दों के दुश्मन उस मादक बदन को अच्छे से निहार पाता, मैडम ने लंड को अपने नाज़ुक मुलायम हाथ में ले लिया था- अरे वाह राजे ! तेरा लौड़ा तो काफी बड़ा है. सात इंच से ज़्यादा ही होगा … शायद साढ़े सात भी हो … मोटा भी बहुत है … आह मज़ा आ गया तेरे लंड को देख कर !
मैडम ने लंड पर हौले हौले से हाथ फेरना शुरू कर दिया. दूसरे हाथ से अंडकोष सहलाने लगीं.

लड़की का दिया हुआ पहला चुम्बन और फिर उसके हाथ से लंड पर पहला स्पर्श ! मेरा दिल सरपट दौड़ने लगा. बदन गर्म हो गया. और जैसे ही मैडम ने सुपारी की खाल पीछे कर के सुपारी पर उंगली फिराई तो मेरी उत्तेजना का भरा हुआ गुब्बारा फूट गया. ढेर सारा लावा बंदूक से निकली गोली की रफ़्तार से लौड़े से छूटा. लंड के अचानक उछलने से मैडम का हाथ भी छूट गया. तुनक तुनक कर लौड़े ने आठ दस लावा के मोटे मोठे थक्के दागे. कुछ मैडम के बालों पर गिरा, तो कुछ लौंदे उनके गाल पर और कुछ ने उनके गले और चूचुक के

ऊपरी भाग पर ठिकाना लिया.

मैडम ने तुरंत ही लंड को पकड़ के उसकी उछल कूद काबू में कर ली और दूसरा हाथ लंड के सामने फैला कर दनादन झड़ते हुए मसाले को हथेली पर आने दिया. थोड़ी देर में जब लंड खाली हो गया तो मैडम ने हथेली पर इकट्ठे लावा को चाट लिया. और चाटा भी खूब चटखारे लेते हुए. हथेली को साफ करके मैडम ने बाकि सब जगह पर पड़े हुए मक्खन को उंगलियों से समेटा और उसको भी मुंह में लेकर चाट लिया.

मेरा वीर्य चाटते हुए सारा समय मैडम मेरी आँखों में आँखें डाले मुझे देखती रहीं. फिर उन्होंने मुरझाए हुए लंड का दबा दबा के तीन चार बूंदें और निकालीं. जिनको मेरे मुंह में देकर धीरे से बोलीं- ले राजे तू अपने माल का स्वाद चख … अच्छे से चूस ले उंगली.
मैंने मैडम की उंगली चूसनी शुरू कर दी. अपने माल का तो खैर जो स्वाद था वो था ही लेकिन मुझे तो मैडम की उंगली के स्वाद ने पागल कर दिया था. जी करता था कि बस सारा जीवन इस मदमस्त कर देने वाली उंगली को चूसते चूसते ही बिता दूँ. लेकिन ऐसा हुआ नहीं क्यूंकि थोड़ी देर के बाद मैडम ने उंगली खींच ली. दिल मार के मैंने उंगली को निकल जाने दिया.

उंगली आज़ाद होते ही मैडम ने मेरी पैंट खोल के नीचे घसीट कर टखनों तक कर दी. उसके बाद उन्होंने मेरे जूते मोज़े उतार कर पैंट निकाल भी के एक साइड में डाल दी. यह सब कार्य मैडम ने ऐसी फुर्ती से किया जिससे पता चलता था कि मैडम इसमें सिद्धहस्त हैं.
“अब मैं राजे तुझे नंगा करुँगी … लेकिन पहले एक बात सुन ध्यान से !”
मैंने कहा- कहिये मैडम जी … मैं सुनूंगा ध्यान से.
“गुड … वैरी गुड राजे … देख मैंने तेरा वीर्य पी लिया है इसलिए अब तू मुझे मैडम जी न बोला कर … अब से तू मुझे बाली रानी कहा करेगा … अब से मैं तेरी रानी और तू मेरा गुलाम राजा … आयी समझ मादरचोद.”

यूँ तो मैडम या किसी भी लड़की के मुंह से मादरचोद सुन के मैं आश्चर्यचकित हो जाता, लेकिन अब तक के घटनाक्रम से अचंभित होने का मेरा कोटा पूरा हो चुका था. यह बाली मैडम कोई अनोखी आइटम हैं, यह मैं जान चुका था.
मैंने धीमी सी आवाज़ में कहा- ठीक है मैडम बाली रानी जी.
“बुद्धू राम !” मैडम की हंसी से भरी आवाज़ मेरे कानों में पड़ी- मैडम बाली रानी जी नहीं सिर्फ बाली रानी … लगता है कि जब लंड झड़ा तो तेरी अकल भी झड़ गई … बाहें ऊपर कर … शर्ट उतारनी है.
“हाँ समझ गया बाली रानी.” मैंने बाहें ऊपर की तो मैडम ने पहले मेरी शर्ट फिर बनियान उतार दी. अब मैं पूरा नंगा था.

बाली रानी ने मेरे जिस्म पर नीचे से ऊपर तक हाथ फेरा. मेरी मांसपेशियां दबाकर बदन की मज़बूती जांचनी चाही- राजे, बड़ा सख्त और कड़ा बदन है तेरा … मज़ा आएगा तेरी तगड़ी बाज़ुओं में जब भिंचूंगी. तेरा लौड़ा भी तगड़ा, तेरी बॉडी भी तगड़ी … अब मुझे भी तो नंगी कर … क्या किसी पंडित से मुहूर्त निकलवा के मेरे कपड़े उतारेगा मूरख चंद ?

मैंने हड़बड़ाते हुए बड़ी मुश्किल से बाली रानी की नाईटी को उतारा. मैंने कौनसा पहले किसी लौंडिया की नाईटी क्या किसी भी कपड़े को उतारा था. इसलिए न अनुभव था और न ही प्रैक्टिस. खैर, अल्ला अल्ला खैर सल्ला … आखिरकार मैं उस नाईटी को उतारने में सफल हो गया तो मेरी निगाह उस अलौकिक, इंद्रलोक की अप्सराओं को चुनौती देने वाले शरीर पर अटक गयी.

मैं एकटक बाली रानी को घूरने लगा. शायद पलक भी झपकना भूल गया था. संगमरमर की मूर्ति समान सौंदर्य से भरपूर शरीर ऐसा था जो सन्यासियों को भी बलात्कारी बना डाले. जिसपर एक दृष्टि डाल दें तो देवता भी राक्षस जैसे हो जाएँ.

तभी बाली रानी ने कामुक अदाएं दिखाते हुए कभी बाज़ू ऊपर उठा कर, तो कभी साइड में

फैला कर घूम घूम के मुझे अपना बदन अच्छे से दिखाना शुरू कर दिया. कभी थोड़ी दूर चली जाती, तो कभी बिल्कुल करीब आकर मेरी आँखों में आँखें डाल कर नितम्ब लचकाती या कमर मटकाती.
मैं मंत्रमुंग्ध सा कुदरत के इस करिश्मे को ताकता रहा. मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि निगाह कहाँ केंद्रित करूँ. हुस्न के लाजवाब चेहरे को तो अच्छे से देख ही चुका था. कभी पिंडारी के ग्लेशियर जैसी उन्नत चूचियों पर नज़र जमाता तो कभी रानी के सुडौल पेट, कमर और चिकनी चिकनी टांगों पर आँखें गड़ाता. बहनचोद ऐसी चिकनी काया थी कि नज़र टिकती ही नहीं थी. खूब बड़ी बड़ी गोल गोल चूचियां, हल्के से भूरे रंग के नुकीले निप्पल और थोड़े गहरे भूरे निप्पल के दायरे. झांट प्रदेश पर हल्की सी झांटों का गलीचा. सुन्दर, त्रुटिहीन टाँगें और बेहद खूबसूरत पिंडलियाँ. पैरों में अभी भी स्लिपर थे इसलिए पांव नहीं दिख रहे थे. लौड़ा इस बेपनाह कामोत्तेजना की ज्यादा देर तक ताब न ला सका और खड़ा हो गया. टट्टे माल से भरपूर होकर फूल गए थे.

तभी रानी मेरे बिल्कुल नज़दीक आ गयी और मेरा हाथ पकड़ के चूत के मुंह से लगा दिया. जैसे ही जीवन में पहली बार किसी चूत को छुआ, शरीर एक तेज़ बिजली की तरंग का प्रवाह हुआ. उंगलियां चूत के रस से तरबतर हो गयीं. चूत से रस का प्रवाह खूब हो रहा था. चूत के इर्द गिर्द का शरीर रस से भीगा हुआ था.
यारो, आप खुद ही सोचिये. जवानी में क़दम रखता हुआ एक लड़का, जिसने सिर्फ चूत का नाम ही सुना हो, जिसके यार दोस्तों ने भी कभी चूत के दर्शन न किये हों, उसके हाथ अगर चूत के जूस से तरबतर हो जाएँ तो उसका क्या हाल हुआ होगा. मुझे तो यह मालूम भी नहीं था कि चूत से जूस भी निकलता है.

“राजे मेरे कुत्ते, अब उंगलियां चाट जल्दी से … कमीने, ले मज़ा इस बुर के रस का … पीकर दीवाना न हो गया तो कहना.” बाली रानी की आवाज़ जैसे कहीं दूर से मेरे कानों में पड़ी.

मैंने रानी के कहे अनुसार उंगलियां चाट ली. आआ आआआह हहह हहह … सच में इससे ज़्यादा नशा चढ़ाने वाला कोई भी और द्रव हो ही नहीं सकता. जीवन में उस दिन पहली बार एक हसीना की चूत का रस चाटने के मौका मिला … आआआआ आहहहह हहह !

उस समय की मेरी जो मनोदशा थी वह बयान करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है. पहले ही रानी के मस्त बदन का भिन्न भिन्न अदाओं के साथ नज़ारा मेरी कामोत्तेजना को बेहद बढ़ा चुका था, और ऊपर से यह चूत का मादक रस चाट के मेरा दिमाग न जाने कौन से आसमान में पहुँच गया था.

कहानी जारी रहेगी.
चूतनिवास

Other stories you may be interested in

पड़ोस के बाप बेटे- 2

हॉट भाभी Xxx स्टोरी में मुझे पड़ोस के एक अंकल ने अपने घर में चोद दिया. अंकल का लंड पकड़ने के बाद मेरी चूत में भी लंड लेने की आग लग गई थी। ये कैसे हुआ ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम […]
Full Story >>>

दोस्त की स्कूल टीचर बीवी की मस्त चुदाई

हॉट स्कूल टीचर सेक्स सम्बन्ध की कहानी में मैंने अपने दोस्त की अध्यापिका पत्नी के साथ सेक्स किया। उसने खुद से ही पहल करके सेक्स संबंधों को बढ़ावा दिया था. दोस्तो, मैं एक बार फिर हाजिर हूँ अपनी एक नई […]
Full Story >>>

दो सहेलियों ने पति की अदला बदली की- 1

हस्बैंड वाइफ मैरिड सेक्स लाइफ एक समय के बाद बोरिंग लगाने लगती है. दो सहेलियों ने अपने यौन जीवन में नया रंग भरने के लिए क्या किया ? प्रिय पाठको, मेरी पिछली कहानी अपनी अपनी जरूरत आपने पढ़ी और पसंद की, […]
Full Story >>>

नई भाभी ने बड़े लंड से मेरी बुर खुलवाई

वर्जिन कॉलेज गर्ल Xxx कहानी एक देसी लड़की की है जो सेक्स का मजा तो लेना चाहती थी पर पहली बार में लंड से होने वाले दर्द से डरती थी. वो पहली बार कैसे चुदी ? सभी दोस्तों को चित्रा का […]
Full Story >>>

पड़ोस की कमसिन लड़की ने मुझे पटाया

हॉट गर्ल सेक्सी स्टोरी मेरे घर के सामने रहने वाली 19 साल की जवान लड़की की पहली चुदाई की है जो मेरे लंड ने की. वह मुझे देखा करती थी. मैं भी समझ गया और सेटिंग कर ली. दोस्तो, मेरा […]
Full Story >>>